पात्रों के स्वार्थ, भाव, महत्कांक्षा को माधुर्य के साथ चित्रित किया गया है 'गुलाबो–सिताबो' में, मिर्जा शेख की नोकझोंक कथानक को देती है नया आयाम

सीमा विवाद के बीच सीतामढ़ी बॉर्डर पर नेपाल पुलिस की अंधाधुंध फायरिंग, 4 भारतीय हताहत, एक की मौत

राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का 73वां जन्मदिन पूरे जिले में गरीब सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया, गरीबों को भरपेट भोजन कराने के उद्देश्य से जगह जगह कार्यक्रम का आयोजन

कोरोना संकट के बीच एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 और 17 जून को मुख्यमंत्रियों से करेंगे बातचीत

युवराज

न्यूज़ टुडे

NEWS TODAY Update

www.newstodayupdate.in

RNI:- BIHHIN05409

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

आपकी आवाज़

वर्ष : 06 अंक : 09+13 तिथि : 13 जून 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

पात्रों के स्वार्थ, भाव, महत्कांक्षा को माधुर्य के साथ चित्रित किया गया है 'गुलाबो–सिताबो' में, मिर्जा शेख की नोकझोंक कथानक को देती है नया आयाम

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

आम दर्शक के मन में यह बात रहती है कि बड़े फिल्म स्टारों की फिल्मों में नाच–गाना, एक्शन, धूमकृधड़ाका होगा। लेकिन, अगर शूजित सरकार जैसा फिल्मकार हो, तो बात बदल जाती है। पीकू से लेकर ऑक्टूबर तक में उन्होंने यह बात सिद्ध की है। अब वे 'गुलाबो–सिताबो' के साथ दर्शकों के बीच हाजिर है। पहली बार उनकी कोई फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज न होकर, ओटीटी मंच पर आयी है। 12 जून से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो रही है।

हाल के वर्षों में लखनऊ की पृष्ठभूमि पर कई फिल्में आई हैं। इनमें से एकाध ही लखनवी तहजीब को साध पायीं हैं। शूजित की 'गुलाबो–सिताबो' इन्हीं में से एक है। लखनऊ में बेगम (फारुख जफर) की स्वामित्व वाली ऐतिहासिक हवेली फातिमा महल में बांके रस्तोगी किराएदार के रूप में रहता है। मिर्जा शेख (अमिताभ बच्चन) से उसकी नोकझोंक कथानक को आगे बढ़ाती है। मिर्जा हवेली को अपने नाम करवाना चाहता है, उधर बांके हवेली खाली नहीं करना चाहता। इसी धरातल में लेखिका जूही चतुर्वेदी ने पटकथा रची है। उनका दिल. चस्प लेखन विक्की डोनर से लेकर पीकू तक में प्रशंसा पा चुका है। 'गुलाबो–सिताबो' बहुपरतीय है। हर पात्र की अपनी एक दुनिया है। उस दुनिया में वह अपना एजेंडा चलाना चाहता है। पात्रों के स्वार्थ, भाव, महत्कांक्षा को शूजित ने माधुर्य के साथ चित्रित किया है।

शूजित निष्णात फिल्मकार हैं। वे साधारण कथा को भी विशेष बना देते हैं। 'गुलाबो–सिताबो' देखते हुए आपको ऋषिकेश मुखर्जी और बासु चटर्जी याद आ सकते हैं। उनकी फिल्में भी याद आएंगी। लेकिन, ऋषिकेश दा व बासु दा के क्राफ्टमैनशिप को शूजित दा आगे बढ़ा रहे हैं, यह आपको सबसे अधिक महसूस होगा। जैसे पीकू में दिल्ली व कोलकाता को भी उन्होंने एक किरदार की भांति पेश किया था, 'गुलाबो–सिताबो' में उन्होंने लखनऊ शहर को भी एक किरदार के रूप में रखा है।

शूजित की सिफत है कि वे बिना ड्रामे के भी कथानक को कंट्रास्ट के साथ फिल्माते हैं। राजाकृरानी की कहानी उनके लिए जरुरी नहीं। वे तो 'स्लाइस ऑफ दी लाइफ' को ही इतना मजेदार बना देते हैं कि दर्शक उसे एक से अधिक बार देखना चाहे। इस काम में उनकी सबसे बड़ी मदद जूही करती हैं। अपनी लेखन कला से सपाट कहानी में भी ऐसे रंग भरती हैं कि पटकथा का सौंदर्य इंद्रधनुषी छटा के रूप में पर्दे पर सजने लगता है। उदाहरण के लिए उनका लिखा कोई भी फिल्म उठाकर देख लीजिए। यहां तक कि स्काइ इज पिंक भी, जिसमें उन्होंने सिर्फ संवाद लिखे थे। जूही नीरस को सरस बनाने की अनोखी कला जानती हैं।

मिर्जा के किरदार को बच्चन ने जीवित कर दिया है। मिर्जा का बाह्य बनावट में आप पीकू के भस्कोर दा का अक्स दिख सकता है। लेकिन, मिर्जा की रूह एकदम ताजा है। पहले किसी ने देखा नहीं। अमिताभ पीकू के किरदार को दोहराने से बचे हैं। यह उनके सागर की गहराई वाने अनुभव की परिणति है। शूजित ने इसका ध्यान बखूबी रखा है। फिर आयुष्मान खराना है। शूजित ने उन्हें विक्की डोनर से फिल्मों में लाया था। विक्की की तासीर बांके में भी समाहित है। लेकिन, लखनवी अंदाज को ओढ़कर उसे ढंक दिया गया है। अमिताभ वाली विविधता लाने के लिए आयुष्मान को परिश्रम करना होगा। संयोग है कि बच्चन व खुराना दोनों सरकार के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं।

लॉकडाउन के कारण 'गुलाबो–सिताबो' बड़े पर्दे पर नहीं लग पायी। अगर लगती, तो लखनऊ की आबोहवा को अधिक सांद्र रूप में महसूस किया जाता। लेकिन, फिर भी इससे उसके जायके में कमी नहीं आयी है। प्रचंड गर्मी के दिन के घर में बैठकर परिवार संग इसका आनंद लिया जा सकता है। विक्की डोनर, पीकू व अक्टूबर के बाद शूजित की एक और दिल में बसने वाली प्रस्तुति है 'गुलाबो–सिताबो'।

कोरोना संकट के बीच एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 और 17 जून को मुख्यमंत्रियों से करेंगे बातचीत

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

न्यूज टुडे एक्सक्लूसिव :

कोरोना संकट के बीच एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 और 17 जून को मुख्यमंत्रियों से बातचीत करेंगे। इससे पहले जब कोरोना संकट से निपटने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन जारी था तब पीएम देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ हालात पर चर्चा किए थे।

Video Conference of Prime Minister with Chief Ministers

Tuesday, 16th June at 3 pm	
SN	States/UTs
1	Punjab
2	Assam
3	Kerala
4	Uttarakhand
5	Jharkhand
6	Chhattisgarh
7	Tripura
8	Himachal Pradesh
9	Chandigarh
10	Goa
11	Manipur
12	Nagaland
13	Ladakh
14	Puducherry
15	Arunachal Pradesh
16	Meghalaya
17	Mizoram
18	Andaman & Nicobar Islands
19	Dadra Nagar Haveli & Daman Diu
20	Sikkim
21	Lakshadweep

Wednesday, 17th June at 3 pm	
SN	States/UTs
1	Maharashtra
2	Tamil Nadu
3	Delhi
4	Gujarat
5	Rajasthan
6	Uttar Pradesh
7	Madhya Pradesh
8	West Bengal
9	Karnataka
10	Bihar
11	Andhra Pradesh
12	Haryana
13	Jammu & Kashmir
14	Telangana
15	Odisha

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ यह बैठक काफी अहम माना जा रहा है। संभव हो कि देश के अंदर कुछ क्षेत्रों में फिर से लॉकडाउन लगाया जाए!

प्रधानमंत्री मोदी इसबार 2 चरणों में मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। पहले चरण में वैसे राज्यों के मुखिया से वार्ता करेंगे, जहां कोरोना के हालात काबू में हैं। वहीं दूसरे चरण यानी 17 जून को उन राज्यों के मुखिया से वार्ता करेंगे जहां कोरोना की रफ्तार काफी ज्यादा है।

16 जून को प्रधानमंत्री मोदी इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों अथवा प्रमुखों से बात करेंगे। इनमें से पंजाब, असम, केरल, उत्तराखंड, झारखंड, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, गोवा, मणिपुर, नागालैंड, लद्दाख, पुडुचेरी, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, अंडमान निकोबर, दमन दीव, सिक्किम और लक्षद्वीप शामिल हैं।

वहीं दूसरे दिन यानी 17 जून को प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, बिहार, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, तेलंगाना व ओडिशा के मुख्यमंत्रियों से वार्ता करेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में 15 जून को पहली राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की आर्थिक पैकेज के तहत बिहार में ऋण वितरण की होगी समीक्षा

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

अच्छी पहल

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने बताया कि 15 जून को आयोजित 2020–21 की पहली राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक में पिछले वर्ष की राज्य साख योजना की उपलब्धि के साथ ही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज व आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ के पैकेज के तहत बिहार में ऋण वितरण की स्थिति की गहन समीक्षा की जाएगी व इस वर्ष के लिए निर्धारित 1.45 लाख करोड़ की राज्य साख योजना के क्रियान्वयन पर विचार किया जायेगा। वर्ष की इस पहली बैठक को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे।

सुशील मोदी ने बताया कि बैंकों ने वर्ष 2019–20 के लिए निर्धारित 1 लाख 45 हजार करोड़ की वार्षिक राज्य साख योजना के विरूद्ध वर्ष 2018–19 की तुलना में 4 हजार 182 करोड़ कम यानी 1लाख 5 हजार 400 करोड़ का कर्ज वितरित कर मात्र 72.69 फीसदी ही लक्ष्य हासिल किया, जबकि वित्तीय वर्ष 2018–19 में बैंकों ने 84.29 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर 1 लाख 9 हजार 582 करोड़ का ऋण वितरित किया था।

उन्होंने बताया कि बैठक में वर्ष 2018–19 की तुलना में 2019–20 में कृषि, एमएसएमई सहित अन्य क्षेत्रों में बैंकों द्वारा कम ऋण वितरण व 17 बैंकों तथा 22 जिलों की साख उपलब्धि राज्य साख योजना की उपलब्धि से भी कम रहने की भी समीक्षा की जाएगी।

इसके साथ ही बैठक में देश के एमएसएमई प्रक्षेत्र को 3 लाख करोड़ ऋण देने के प्रावधान के तहत बिहार में कितनों को कर्ज मिला के साथ किसान, मछुआरों व दुग्ध उत्पादकों को केसीसी, स्वयं सहायता समूह, फुटपाथी दुकानदारों को कर्ज एव मुद्रा के तहत शिशु लोन तथा ऋण अदायगी हेतु मोरेटोरियम आदि की भी गहन समीक्षा की जायेगी।

युवराज मीडिया एंड एंटरटेण्मेंट की घोषित चम्पारण की पावन धरती पर बन रही भव्य वेब सीरिज एवं फीचर फिल्म की शुटिंग शीघ्र शुरू होगी।

निर्माता: 9471005272

Yuvaraj Media & Entertainment

बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:

Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

सीमा विवाद के बीच सीतामढ़ी बॉर्डर पर नेपाल पुलिस की अंधाधुंध फायरिंग, 4 भारतीय हताहत, एक की मौत

अपराध

सम्राट, संवाददाता

सीमा विवाद के बीच बिहार के सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा बॉर्डर पर नेपाल पुलिस ने जमकर फायरिंग की जिसमें 4 भारतीय नागरिक बुरी तरह हताहत हुए। इनमें एक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य की हालत गंभीर बताई जाती है। भारत–नेपाल सीमा पर सीतामढ़ी जिले से लगे बॉर्डर पर नेपाल पुलिस की इस फायरिंग को दोनों देशों के बीच तनाव के नतीजे के तौर पर देखा जा रहा है।

फिलहाल मौके पर सीतामढ़ी जिला प्रशासन के कई वरीय अधिकारी रवाना हो चुके हैं। घटना सीतामढ़ी के सोनबरसा बॉर्डर इलाके के जानकीनगर गांव की है। बताया जाता है कि भारत–नेपाल सीमा पर विवाद हुआ था, जिसके बाद नेपाल पुलिस की ओर से अंधाधुंध फायरिंग की गई।

विदित हो कि भारत और नेपाल के बीच सीमा को लेकर विवाद चल रहा है। नेपाली संसद ने इसको लेकर एक प्रस्ताव भी पारित किया है, जिसमें भारत के कई सीमावर्ती हिस्सों को नेपाल का बताया गया है। फिलहाल नेपाली पुलिस की फायरिंग के बाद सीमा पर तनाव और बढ़ गया है। सभी घायल भारतीयों को स्थानीय निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पुलिस मुख्यालय बिहार में बड़े पैमाने पर दारोगा व अन्य पुलिसकर्मियों के तबादले की सूची हो रही है तैयार, कुछ वरीय अधिकारी भी हैं शामिल

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

पुलिस मुख्यालय बिहार में बड़े पैमाने पर दारोगा व अन्य पुलिसकर्मियों के तबादले की सूची तैयार करने जा रहा है। इसके रेंज में पूरे बिहार के अफसर सहित सामान्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

इस सूची में सामान्य तौर पर आईपीएस शामिल नहीं है। इसमें कुछ वरीय अधिकारी भी शामिल हैं। कुछ वैसे आईपीएस सूची में जरूर हैं, जो तबादले के लिए आवेदन दे रखे हैं।

उच्चपदस्थ सूत्रों ने बताया कि तबादले सूची में इंस्पेक्टर से लेकर वैसे सामान्य पुलिस शामिल हैं,जिनकी सेवावधि पांच साल से अधिक हो गयी है। जानकारी मिली है कि पटना रेंज आईजी ने आरक्षी अधीक्षकों को पत्र के माध्यम से निर्देश दिया है कि वैसे सभी कनीय अधिकारियों की सूची बनाएं जो पांव साल से अधिक से रेंज में कुंडली मारकर बैठे हैं।

उसी तरह भागलपुर रेंज, पूर्णिया रेंज तथा सहित सभी रेंजों की सूची तैयार होने लगी है। इसे एक महीना में तैयार कर लेना है।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री स्व. ब्रजबिहारी प्रसाद का 22वां पुण्यतिथि राष्ट्रीय वैश्य महासभा ने मोतिहारी में मनाया

रिंकू गिरी,
संवाददाता

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री अमर शहीद स्व. ब्रजबिहारी प्रसाद का 22वां पुण्यतिथि राष्ट्रीय वैश्य महासभा ने मोतिहारी में मनाया गया।कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता संजय जायसवाल,प्रदेश महासचिव राजेश जायसवाल एंव नगर अध्यक्ष सुमित कुमार गुप्ता द्वारा श्रधांजलि सभा के लिए लोगों को आमंत्रित किया, जहां लोगों ने उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित एमएलसी राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता,पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता,राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता संजय जायसवाल,प्रदेश महासचिव राजेश जायसवाल ने पुष्प अर्पित कर अमर शहीद स्व.ब्रजबिहारी प्रसाद के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैश्य रत्न अमर शहीद स्व०ब्रजबिहारी प्रसाद गरीबों के मसीहा थे। उन्होंने हमेशा कमजोर वर्ग के लोगों को मदद करने का काम किया।उन्होंने सामन्तवादी प्रथा को खत्म किया। इस अवसर पर रामभवन राम यमुना प्रसाद रिसोर्ट में वृक्षारोपण का कार्य किया गया।

श्रद्धांजलि सभा का अध्यक्षता धनराज साहू एंव संचालन रंजीत कुमार ने किया। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश सचिव दुर्गा भास्कर, दिवाकर गुप्ता,पप्पू गुप्ता,शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी कृष्णा प्रसाद,नगर परिषद अध्यक्ष पति भोला गुप्ता,पार्षद रामेश्वर साह,जिलाध्यक्ष मुनचुन साह,जिला प्रधान महासचिव देवनारायण गुप्ता,केशव कृष्णा,मनमोहन शर्मा,अजय कुमार गुप्ता, मनोज कुमार,सूरज कलवार,अप्पू सिंह,अर्जुन सिंह,सुबोध सिंह,संजीव जायसवाल,संजय जायसवाल (शिक्षक),सुमित जायसवाल,बबलू जायसवाल आदि उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

सैलून संचालक को उसके ममेरे भाई ने ही चाकू गोद कर की हत्या

अपराध

रिंकू गिरी,
संवाददाता

मोतिहारी के अगरवा मोहल्ले में एक सैलून संचालक को उसके ममेरे भाई ने ही चाकू गोद कर हत्या कर दी। मृतक सुनील ठाकुर उर्फ झुनझुन संग्रामपुर बाजार का निवासी था। वह अगरवा मोहल्ले में ब्रह्मदेव महतो के घर में किराए पर रहता था।

बताया गया है कि शुक्रवर को सुबह 7 बजे पटखौलिया गांव निवासी उसका ममेरा भाई बाला ठाकुर पहुचा, जिससे 20 हजार रुपये उधार सुनील ले रखा था। पांच हजार वापस किया था। 15 हजार रुपये का तगादा करते हुए दोनो में बकझक हुई और फिर बाला ने सुनील को चाकू मार दिया। चाकू सीने और पेट मे मारी गई।

पड़ोसियो ने उसे अस्पताल पहुचाया जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही सदर डीएसपी अरुण कुमार गुप्ता , नगर इंस्पेक्टर अभय कुमार सदर अस्पताल पहुचे और घटना की जानकारी ली। मुम्बई से 6 माह पहले सुनील अपने गाव आया जो परिवार के साथ मोतिहारी में रह कर डॉ हरिकिशोर वर्मा वाली गली में सैलून चलता था। पिता की पूर्व में ही मौत हो गई है और घर का वह एकलौता वारिस था । दो साल पहले ही उसकी शादी हुई थी जिसे तीन माह की एक बेटी है। मां सुनैना देवी व पत्नी विभा देवी सदर अस्पताल क प्रागण में दहाड़े मार कर चिल्ला रही थी। इस बाबत इंस्पेक्टर श्री कुमार ने कहा कि शीघ्र आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौप दिया गया है।

पहली बार अंडर-16 मैच में लालू यादव के बेटे तेजस्वी की कप्तानी में खेल रहे विराट कोहली ने जबर्दस्त बल्लेबाजी की थी

सम्राट, संवाददाता

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली आज दुनिया के बेस्ट बल्लेबाज हैं. टेस्ट, वनडे और टी20, तीनों ही फॉर्मेट में विराट कोहली की तूती बोलती है. तीनों फॉर्मेट में 50 का औसत रखने वाले वो दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं. विराट कोहली आज इतने बड़े बल्लेबाज हैं तो इसकी वजह उनकी मेहनत तो है ही, साथ ही पार की नजर रखने वाले पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसकर का भी उनकी कामयाबी में बड़ा हाथ है. दरअसल वो दिलीप वेंगसरकर ही थे जिन्होंने सबसे पहले विराट कोहली के अंदर टीम इंडिया के लिए खेलने का टैलेंट देखा था और उन्होंने ही इस खिलाड़ी को नीली जर्सी पहनने का मौका दिया था.

वेंगसरकर का विराट पर बड़ा खुलासा

दिलीप वेंगसरकर ने स्पोर्ट्सकीड़ा वेबसाइट के साथ फेसबुक लाइव पर बातचीत में विराट कोहली के सेलेक्शन की कहानी बताई. वेंगसरकर ने कहा, 'साल 2000 में बीसीसीआई ने एक टैलेंट ढूंढने वाली कमिटी बनाई थी, जिसका मैं अध्यक्ष था. मेरे साथ बृजेश पटेल भी थे. मैं देशभर में अंडर–14, अंडर–16 और अंडर–19 के मैच देखता था. विराट कोहली को मैंने पहली बार अंडर–16 मैच में मुंबई के खिलाफ देखा था. विराट कोहली, लालू यादव के बेटे तेजस्वी की कप्तानी में खेल रहे थे. विराट कोहली ने वहां जबर्दस्त बल्लेबाजी की

ऑस्ट्रेलिया में बरपाया विराट कोहली ने कहर

दिलीप वेंगसरकर ने आगे खुलासा किया, ' इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में इमर्जिंग ट्रॉफी होनी थी, जिसमें मैंने विराट कोहली को चुना था. मैंने विराट कोहली को वहां देखा और ग्रेग चौपल मेरे साथ बैठे थे. कीवी टीम के खिलाफ विराट ने ओपनिंग की और उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 123 रन ठोके. शतक के बाद भी वो आउट नहीं हुए और उन्होंने मैच खत्म किया. वहां मुझे लगा कि ये खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए तैयार है. वो मानसिक तौर पर परिपक्व थे. इसलिए हमने उन्हें टीम इंडिया में खेलने का मौका दिया.'

धोनी को भी कप्तान बनाया

धोनी को टीम इंडिया की कमान सौंपने के पीछे भी दिलीप वेंगसरकर का ही हाथ था. वेंगसरकर ने धोनी को कप्तान बनाने के मुद्दे पर कहा, 'हमने इंग्लैंड को इंग्लैंड में हराया था और राहुल द्रविड़ ने उसके बाद कप्तानी छोड़ दी. हमें ऑस्ट्रेलिया जाना था और हमने सोचा कि धोनी को फिल. हाल वनडे और टी20 टीम का कप्तान बनाना चाहिए और टेस्ट में अनुभवी लेकिन आक्रामक अनिल कुंबले को कमान सौंपनी चाहिए. धोनी की कप्तानी में हमने पहली बार ऑस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज जीती और उसके बाद उन्होंने

NEWS TODAY Update | युवराज न्यूज़ टुडे आपकी आवाज | RNI:- BIHHIN05409

News Today Digital Paper Tarrif

Back Page Full : 27.94 X 43.18 cm = 55000.00
Back Page Half : 13.97 X 21.59 cm = 30000.00
Back Page Quarter : 06.98 X 10.79 cm = 20000.00
Complimentery Ad : 04.00 X 06.00 cm = 5000.00
Inner Page 25% less of all Tarrif

Portal Tarrif

PARTICILAR	DAILY (MIN. 15 DAYS)	MONTHLY	YEARLY
HEADER :	2000	50,000	5,00,000
UNDER NEWS :	1000	25,000	2,50,000
SIDE, MIDDLE & OTH :	1500	35,000	3,50,000

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर बाल मजदूरी उन्मूलन एवं उनके पुनर्वास को दर्शाती महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त टेलीफिल्म ''कल के भविष्य'' का प्रसारण

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस' पर 35 मिनट की बाल मजदूरी उन्मूलन एवं उनके पुनर्वास को दर्शाती महामहिम राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त टेलीफिल्म ''कल के भविष्य'' का प्रसारण कल दूरदर्शन द्वारा किया गया।

युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत डा. राजेश अस्थाना द्वारा लिखित अभिनीत एवं निर्देशित, निर्माता सीमा रानी की फिल्म ''कल के भविष्य'' में तीन आईएएस अधिकारी रवि परमार मनुभाई, भरत कुमार दुबे, अजय कुमार पाण्डेय, एक आईपीएस डा. कमल किशोर सिंह, छः बीपीएस पदाधिकारी डी एन मेहता डीडीसी, गणेश प्रसाद एडीएम, बिहारी दास एसडीओ के अलावे युवराज, संध्या रानी, धामा वर्मा, डी आनंद, स्व. अरविंद पाठक, पप्पू गुप्ता, सुधीर कुमार, सम्राट, अभिनव आकर्ष समेत दर्जनों कलाकारों ने अभिनय किया है।

फिल्म के छायाकार एस के मन्नू, संपादन रौशन जमाल, संगीत सत्यजीत शरण तथा निर्माण सहयोग एस शिवकुमार आईएएस का है। फिल्म की सम्पूर्ण शूटिंग मोतिहारी और आसपास हुई है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों बाल मजदूरी उन्मूलन एवं उनके पुनर्वास को दर्शाती टेलीफिल्म ''कल के भविष्य'' से हुई कमाई से मोतिहारी के दर्जनों बाल मजदूरों के अभिभावकों को स्वरोजगार कराया गया जो आज भी मिशाल है।

युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट की टेलीफिल्म ''कल के भविष्य'' उन तमाम बाल मजदूरों को समर्पित है जो जीवन पथ पर बाल मजदूरी करने को विवश हुए हैं।

बस एक क्लिक कीजिए
देश दुनिया की ख़बर के साथ अपनी ख़बर भी देखिए
www.newstodayupdate.in
A Fast Growing Web News Portal
A unit of Yuvaraj Media Entertainment
Contact for News & Advt.: 9471005272, 8210595830

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830